केन्द्रीय विद्यालय संगठन लखनऊ संभाग

पूर्व परिषदीय परीक्षा **–2025-26**

विषय **–** हिंदी **(**आधार**)** विषय कोड **–(302)**

कक्षा **–** बारहवीं

निर्धारित समय **: 03** घंटे अधिकतम

अंक **: 80**

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उसका पालन कीजिए :-

- यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभाजित है |
- खंड- 'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं | सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- खंड-'ख' में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |
- खंड- 'ग' में पाठ्यपुस्तक आरोह एवं वितान से प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |
- तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- च. यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

प्रश्न संख्या	खड **–** क अपाठेत बोध	अक **(18)**
1.	निम्नलिखेत गद्याश पर आधारेत पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए -	(10)
	जीवन एक सतत सघषेशील प्राक्रेया है, जहा प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमताओं, मूल्यों और धैर्य की परीक्षा से बार-बार गुजरना पड़ता है। जीवन की चुनौतियाँ केवल अवरोध नहीं, बल्कि आत्मोन्नति और आत्मबोध के अवसर भी हैं। ये वे परिस्थितियाँ हैं जो व्यक्ति को उसकी सीमाओं से परे जाकर अपने वास्तविक सामर्थ्य का परिचय देने के लिए प्रेरित करती हैं। जब हम कठिन समय में दृढ़ता और संयम का परिचय देते हैं, तब हमारी	

	आंतरिक शक्ति प्रकट होती है। संघर्ष का मार्ग भले ही कष्टदायक हो, किंतु वही हमें आत्मनिर्भरता, सहनशीलता और विवेक का पाठ पढ़ाता है। विपरीत परिस्थितियों में जो व्यक्ति साहस नहीं खोता, वही जीवन के शिखर तक पहुँच पाता है। वास्तव में, प्रतिकूलता ही सृजनात्मकता और नवाचार की जननी है; यह हमें सोचने, बदलने और आगे बढ़ने के लिए विवश करती है । जो लोग चुनौतियों से विमुख हो जाते हैं, वे स्थिरता के दलदल में फँसकर अपने अस्तित्व की प्रखरता खो बैठते हैं। अतः आवश्यक है कि हम जीवन की हर कठिनाई को एक सृजनात्मक चुनौती के रूप में स्वीकार करें, अपने भीतर के प्रकाश को प्रज्वलित रखें और आत्मबल के सहारे अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतर अग्रसर रहें। यही जीवन का परम संदेश और सच्चा प्रेरणास्रोत है।	
(क)	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन अनुच्छेद की केंद्रीय दार्शनिक दृष्टि को सर्वाधिक परिलक्षित करता है? A. जीवन में कठिनाइयाँ केवल दुर्भाग्य का प्रतीक हैं। B. संघर्ष मनुष्य की सीमाओं को उजागर करता है, पर उन्हें पार करने की प्रेरणा नहीं देता। C. चुनौतियाँ व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने का अवसर प्रदान करती हैं। D. सफलता और सुविधा ही जीवन का अंतिम उद्देश्य है।	1
(ख)	"विपरीत परिस्थितियाँ सृजनात्मकता की जननी हैं" — इस विचार का अर्थ निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक उपयुक्त है? A. कठिन परिस्थितियाँ व्यक्ति की सोचने की क्षमता को नष्ट करती हैं। B. कठिनाइयाँ व्यक्ति को नए समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती हैं। C. सृजनात्मकता केवल सरल परिस्थितियों में विकसित होती है। D. विपरीत परिस्थितियाँ व्यक्ति को निष्क्रिय बना देती हैं।	1
(ग)	कथन: "जीवन की चुनौतियाँ केवल अवरोध नहीं, बल्कि आत्मोन्नति और आत्मबोध के अवसर भी हैं।" निष्कर्ष: (क) संघर्ष से व्यक्ति की वास्तविक क्षमताएँ प्रकट होती	1

	हैं। (ख) जो व्यक्ति चुनौतियों से बचता है, वह आत्मविकास के अवसर खो देता है। ऊपर दिए गए निष्कर्षों में से कौन-सा/से कथन से तार्किक रूप से संगत हैं? विकल्प: 1. केवल (क) 2. केवल (ख) 3. (क) और (ख) दोनों 4. न तो (क) और न (ख)	
(घ)	सघष का मागे व्याक्ति को क्या सिखाता है?	1
(ङ)	जीवन की सफलता के स्तभ सघष, धैय और विवेक को क्यों कहा गया है ?	2
(च)	सघष और नवाचार के बीच सबध को अपने जीवन मे किसी अनुभव से बताइए।	2
(छ)	आपके अनुसार विपरीत पारिस्थितियो मे साहस क्यो आवश्यक है? उदाहरण सहित समझाइए।	2
2.	निम्नलिखित पद्याश पर आधारित पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए -	(08)
	हेमन्त मे बहुधा घनो से पूर्ण रहता व्योम है पावस निशाओं में तथा हँसता शरद का सोम है हो जाये अच्छी भी फसल, पर लाभ कृषकों को कहाँ खाते, खवाई, बीज ऋण से हैं रंगे रक्खे जहाँ आता महाजन के यहाँ वह अन्न सारा अंत में अधपेट खाकर फिर उन्हें है काँपना हेमंत में बरसा रहा है रवि अनल, भूतल तवा सा जल रहा है चल रहा सन सन पवन, तन से पसीना बह रहा देखो कृषक शोषित, सुखाकर हल तथापि चला रहे किस लोभ से इस आँच में, वे निज शरीर जला रहे घनघोर वर्षा हो रही, है गगन गर्जन कर रहा घर से निकलने को गरज कर, वज्र वर्जन कर रहा तो भी कृषक मैदान में करते निरंतर काम हैं किस लोभ से वे आज भी, लेते नहीं विश्राम हैं	

(क)	कृषक कठिन मौसम और ऋण के बावजूद खेत में लगातार काम कर रहे हैं। इससे हमें कौन-सी समस्या का पता चलता है? A) कृषक का आलस्य B) सामाजिक और आर्थिक शोषण C) प्राकृतिक संतुलन D) फसल की वृद्धि	1
(ख)	कवि ने कृषक के लगातार मेहनत करने को किस मनोवैज्ञानिक गुण के रूप में दर्शाया है? A) आलस्य और संतोष B) धैर्य और सहनशीलता C) उत्सुकता और खेल भावना D) आवेग और क्रोध	1
(ग)	यदि आप किसान सुरक्षा के लिए नीति बनाना चाहते हैं, तो कविता के आधार पर कौन-सा कदम सबसे महत्वपूर्ण है? A) फसल बीमा और ऋण राहत B) किसानों को छुट्टी देना C) खेतों में मनोरंजन की सुविधा D) कृषि कार्य कम करना	1
(घ)	कवि ने सूर्य और पवन का वर्णन कैसे किया है?	1
(ङ)	कृषक कठिन मौसम और ऋण के बावजूद खेत में काम कर रहे हैं। इससे आप समाज और कृषि क्षेत्र की कौन-सी समस्या समझते हैं?	2
(च)	“बरसा रहा है रवि अनल, भूतल तवा सा जल रहा” — इस पंक्ति से आप किसानों के परिश्रम और धैर्य के बारे में क्या सीख सकते हैं?	2
प्रश्न संख्या	खड – ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)	अंक **(22)**
3.	निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :- ● ओस भरी सुबह का सौन्दर्य ● मेरी रोमांचक पहाड़ी यात्रा ● जब मैं रोबोट से मिला	6x1=6

4.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए किन्हीं 04 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए -	04x02 =08
(क)	आधुनिक जनसंचार के माध्यम कौन-कौन से हैं ?	2
(ख)	पत्रकारिता की भाषा में छः ककार कौन-कौन से हैं ?	2
(ग)	रेडियो समाचार की भाषा कैसी होनी चाहिए ?	2
(घ)	समाचार एवं फीचर लेखन में क्या अंतर है ?	2
(ङ)	रिपोर्ट एवं रिपोर्ताज में क्या अंतर है ?	2
5.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए -	04x02 =08
(क)	रेडियो नाटक में संवाद की क्या विशेषताएं होती हैं ?	4
(ख)	कहानी का नाटक में रूपांतरण करने के लिए क्या आवश्यक है?	4
(ग)	अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में क्या समस्याएं आती हैं ?	4
प्रश्न संख्या	खंड – ग (पाठ्य पुस्तक आरोह एवं वितान पर आधारित प्रश्न)	अंक (40)
6.	निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-	01x05 =05
	किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट, चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी। पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि, अटत गहन-गन अहन अखेटकी।। ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि, पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी।। “तुलसी” बुझाई एक राम घनस्याम ही तें, आग बड़वागि तें बड़ी है आगि पेटकी।।	
(क)	कथन **(A):** तुलसीदास जी के अनुसार, संसार की सबसे बड़ी आग “पेट की आग” है। कारण **(R):** क्योंकि पेट की आग ही मनुष्य को अधर्म करने के लिए प्रेरित करती है। विकल्प**:** A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या करता है। B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, पर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता।	1

<table>
<tr><td></td><td>C) कथन (A) सत्य है, पर कारण (R) असत्य है।
D) कथन (A) असत्य है, पर कारण (R) सत्य है।</td><td></td></tr>
<tr><td>(ख)</td><td>नीचे दिए गए कॉलम A और कॉलम B का सही सुमेल करे 👇
<table><tr><th>कॉलम A</th><th>कॉलम B</th></tr><tr><td>(a) किसान</td><td>(1) व्यापार से जीविका चलाने वाला</td></tr><tr><td>(b) बनिक</td><td>(2) खेती कर जीवन यापन करने वाला</td></tr><tr><td>(c) भिखारी</td><td>(3) याचन (भीख) द्वारा जीवित रहने वाला</td></tr><tr><td>(d) नट</td><td>(4) खेल-तमाशा दिखाकर जीवनयापन करने वाला</td></tr></table></td><td>1</td></tr>
<tr><td>(ग)</td><td>तुलसीदास जी द्वारा “आग बड़वागि ते बड़ी है आगि पेटकी” कहने का मुख्य उद्देश्य क्या है?
A) पेट की भूख मानव का सबसे बड़ा शत्रु है।
B) पेट की भूख मनुष्य को अधर्म की ओर ले जाती है।
C) पेट की भूख केवल गरीबों की समस्या है।
D) पेट की भूख मनुष्य के जीवन का आधार है।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>(घ)</td><td>“ऊचे-नीचे करम, धरम-अधरम करे” पंक्ति का गहन अर्थ क्या है?
A) मनुष्य अपने कर्मों में ऊँच-नीच का भेद मिटा देता है।
B) पेट की आवश्यकता में मनुष्य नैतिक सीमाएँ भूल जाता है।
C) मनुष्य उच्च धर्म की प्राप्ति हेतु कर्म करता है।
D) ऊँचे-नीचे कार्य समाज की विविधता को दर्शाते हैं।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>(ङ)</td><td>कविता का मूल संदेश निम्न में से कौन-सा सबसे उपयुक्त रूप में अभिव्यक्त करता है?
A) मनुष्य की भूख उसे कर्मयोगी बनाती है।
B) जीविका की अनिवार्यता मनुष्य को भौतिक जाल में बाँध देती है।
C) पेट की आग ही मानव के उत्थान का प्रतीक है।
D) आर्थिक साधन ही धर्म का आधार हैं।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>7.</td><td>निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए -</td><td>03x02 =06</td></tr>
</table>

(क)	"पतगों के साथ –साथ वे भी उड़ रहे हैं"-यहा बच्चो का उड़ान से कैसा सम्बन्ध है ?	3
(ख)	विप्लव के बादल का आह्वान समाज का कौन सा वगे सबसे अधिक करता है और क्यों ?	3
(ग)	"भ्रातृशोक मे हुइ राम की दशा को कवि ने प्रभु की नर-लीला की अपेक्षा सच्ची मानवीय अनुभूति के रूप में रचा है |" क्या आप इससे सहमत हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए		3
8.	निम्नलिखित प्रश्नो को ध्यानपूवेक पढ़कर किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए -	02x02 =04
(क)	दूरदशेन का कायेक्रम सचालक अपाहिज व्यक्ति के दुःख को बार-बार प्रकट करना क्यों चाहता है ?	2
(ख)	आत्मपरिचय कविता के आधार पर स्पष्ट करे कि ' मैं दीवानों का वेश लिए फिरता हूँ' में क्या अभिप्राय निहित है ?	2
(ग)	'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' पंक्तिमे क्या सन्देश निहित है ?	2
9	निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नो के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए -	01x05 =05
	पैसे की व्यंग्य-शक्ति को सुनिए। वह दारुण है। मैं पैदल चल रहा हूँ कि पास ही धूल उड़ाती निकल गई मोटर। वह क्या निकली मेरे कलेजे को कौंधती एक कठिन व्यंग्य की लीक ही आर-से-पार हो गई। जैसे किसी ने आँखों में उँगली देकर दिखा दिया हो कि देखो, उसका नाम है मोटर और तुम उससे वंचित हो! यह मुझे अपनी ऐसी विडंबना मालूम होती है कि बस पूछिए नहीं। मैं सोचने को हो आता हूँ कि हाय, ये ही माँ-बाप रह गए थे जिनके यहाँ मैं जन्म लेने को था! क्यों न मैं मोटरवालों के यहाँ हुआ! उस व्यंग्य में इतनी शक्ति है कि ज़रा में मुझे अपने सगों के प्रति कृतघ्न कर सकती है। लेकिन क्या लोकवैभव की यह व्यंग्य-शक्ति उस चूरन वाले अकिंचित्कर मनुष्य के आगे चूर-चूर होकर ही नहीं रह जाती? चूर-चूर क्यों, कहो पानी-पानी। तो वह क्या बल है जो इस तीखे व्यंग्य के आगे अजेय ही नहीं रहता, बल्कि मानो उस व्यंग्य की क्रूरता को ही पिघला देता है?	

(क)	लेखक "धूल उड़ाती मोटर" और अपने पैदल चलने की तुलना से क्या संकेत देता है? **(A)** भौतिक और सामाजिक प्रगति के बीच व्यक्ति की विडंबना। **(B)** प्रौद्योगिकी और मानव श्रम के बीच विरोधाभास। **(C)** जीवन में गति की तुलना और समय की सीमा **(D)** आर्थिक वर्गों के बीच दूरी और अलगाव।	1
(ख)	लेखक क्यों कहता है कि पैसे की व्यग्य-शक्ति "कलेजे को कौंधती" है? **(A)** यह अमीरों की विलासिता और शक्ति के प्रदर्शन से गरीब की पीड़ा को तीव्र बनाती है। **(B)** यह गरीब व्यक्ति की स्वाभिमानहीनता और अपने आर्थिक अभाव की अंतर्निहित असहजता को उजागर करती है। **(C)** यह केवल भौतिक वस्तुओं के अनुपलब्ध होने की तुलना के रूप में मानसिक उत्तेजना उत्पन्न करती है। **(D)** यह सामाजिक व्यवस्था के प्रति नैतिक और भावनात्मक असंतोष को प्रदर्शित करती है।	1
(ग)	गद्याश मे लेखक पैसे की व्यग्य-शक्ति के सदर्भ मे 'चूर-चूर' और 'पानी-पानी' शब्द क्यों प्रयोग करता है? **(A)** अमीरों की विलासिता के प्रति अपनी असहमति व्यक्त करने के लिए। **(B)** गरीब व्यक्ति के आत्मसम्मान और मनोबल पर उसके प्रभाव को दर्शाने के लिए। **(C)** मोटर और भौतिक वस्तुओं के महत्व को बढ़ाने के लिए। **(D)** व्यंग्य की शक्ति को नकारने के लिए तथा उनसे दूर करने के लिए	1
(घ)	लेखक के अनुभव मे मोटर गाड़ी का निकलना किस प्रकार की भावना उत्पन्न करता है? A) डर और चिंता B) क्रोध और द्वेष C) तीखी व्यंग्यपूर्ण विडंबना D) खुशी और उत्साह	1
(ङ)	इस पाठ मे " पैसे की व्यग्य - शक्ति " का अर्थ सबसे उपयुक्त रूप से क्या है? A) पैसे से मिलने वाली खुशी, सुख और विलासिता	1

	B) पैसे का समाज में महत्व और उसकी ताकत का मजाक C) गरीबों की कठिनाई और पड़ने वाला प्रभाव D) मोटर गाड़ी खरीदने की क्षमता और अकड़कर बैठना	
10	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए -	03x02 =06
(क)	बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है ?	3
(ख)	लीखेका को कब लगा कि भक्तिन उसका साथ नहीं छोड़ना चाहती ? प्रसंग को स्पष्ट करें |	3
(ग)	दगल में विजयी होने के पश्चात लुट्टन सिंह की जीवन –शैली में क्या परिवर्तन आ गया था ?	3
11	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए -	02x02 =04
(क)	'लीखेका ने नरो वा कुजरो वा' वाक्यांश किस सन्दर्भ में कहा था ?	
(ख)	इन्दर सेना सबसे पहले 'गगा मैया की जय' क्यों बोलती है ?	
(ग)	डॉ अम्बेडकर अपनी कल्पना में समाज का कैसा रूप देखते हैं ?	
12	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए -	05x02 =10
(क)	जूझ कहानी के लेखक के पिता ने किन-किन शर्तों के आधार पर लेखक को पढ़ने की आज्ञा दी ? ऐसी परिस्थिति में आप क्या करते ?	
(ख)	'अतीत में दबे पाव' पाठ के आधार पर बताइए कि पर्यटक मुअनजो - दड़ों में कौन-कौन से तीन महत्वपूर्ण स्थल देख सकते हैं ? और क्यों ?	
(ग)	"सिल्वर वेडिंग आधुनिक पारिवारिक मूल्यों के विघटन का यथार्थ चित्रण है "- इस कथन की विवेचना कीजिए |	
.....xx.....xx.....		